भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं.188
दिनांक 03 फरवरी, 2023 को उत्तरार्थ

विषय:- जैविक खेती के लाभ

188. श्री कार्तिकेय शर्मा:

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) जैविक खेती को प्रोत्साहित करने और इसके लाभों के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इन कार्यक्रमों से जैविक खेती के क्षेत्र और उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है;

(ग) यदि हां, तो विगत तीन वर्षों के आंकड़ों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार द्वारा जैविक उत्पादों की सीधी बिक्री के लिए कोई वेब पोर्टल बनाए जाने की योजना प्रस्तावित है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री नरेन्द्र सिंह तोमर)

(क): देश में जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए, सरकार वर्ष 2015-16 से परम्परागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई) और पूर्वोत्तर क्षेत्र जैविक मूल्य श्रृंखला विकास मिशन (एमओवीसीडीएनईआर) की योजनाओं को कार्यान्वित कर रही है। पीकेवीवाई को पूर्वोत्तर (एनई) राज्यों को छोड़कर देश भर के सभी राज्यों में कार्यान्वित किया जा रहा है। एमओवीसीडीएनईआर योजना केवल पूर्वोत्तर राज्यों में कार्यान्वित की जा रही है। इन योजनाओं के तहत, किसानों को जैविक खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है और शुरू से अंत तक जैविक उत्पादों के उत्पादन से लेकर विपणन तक सहायता प्रदान की जाती है। क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण इन योजनाओं के अभिन्न अंग हैं।

जैविक खेती के लाभों के बारे में जानकारी का प्रसार करने के लिए, राष्ट्रीय जैविक और प्राकृतिक खेती केंद्र (एनसीओएनएफ़), जो कृषि एवं किसान कल्याण विभाग का एक

अधीनस्थ कार्यालय है, यह केंद्र विभिन्न प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम नामत: 30 दिवसीय प्रमाणपत्र पाठयक्रम, फील्ड प्रदर्शन और प्रशिक्षण, विस्तार अधिकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम और किसानों और अन्य हितधारकों के लिए जैविक खेती के विभिन्न पहलुओं पर 7 दिवसीय ऑनलाइन/ऑफलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित कर रहा है,

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज) आईसीएआर-भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-आईआईएफएसआर), मोदीपुरम, मेरठ की मदद से कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में विस्तार अधिकारियों के लिए जैविक खेती पर प्रमाणित कृषि सलाहकार कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

(ख): इन कार्यक्रमों के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव से जैविक खेती के तहत वर्ष 2014-15 के दौरान 1183871 हेक्टेयर क्षेत्र से वर्ष 2021-22 में 5912414.74 हेक्टेयर क्षेत्र में बढोतरी हो गयी है। इसी प्रकार जैविक उत्पादों का उत्पादन वर्ष 2014-15 के दौरान 1095754 टन से बढ़कर वर्ष 2021-2022 में 3410195.02 टन हो गया है।

(ग): वर्ष 2019-2020, वर्ष 2020-2021 और वर्ष 2021-2022 के दौरान देश में जैविक खेती और जैविक उत्पादन के तहत राज्य-वार और वर्ष-वार क्षेत्र **अनुबंध- I** में दिया गया है।

(घ): सरकार ने किसानों द्वारा उपभोक्ताओं को जैविक उत्पादों की सीधी बिक्री के लिए एक ऑनलाइन विपणन मंच के रूप में वेब पोर्टल- www.Jaivikkheti.in/ विकसित किया है ताकि उन्हें बेहतर मूल्य प्राप्ति में मदद मिल सके। **जैविक खेती पोर्टल** के तहत कुल 6.09 लाख किसानों को पंजीकृत किया गया है।

रा.स.अता.प्र.सं.188

अनुबंध- I

वर्ष 2019 -2020, वर्ष 2020-2021 और वर्ष 2021-2022 के दौरान देश में जैविक खेती और जैविक उत्पादन के तहत राज्य-वार और वर्ष-वार क्षेत्र

क्र.सं.	राज्य	2019 -2020		2020-2021		2021-2022	
		क्षेत्र (हेक्टेयर में)	उत्पादन (एमटी में)	क्षेत्र (हेक्टेयर में)	उत्पादन (एमटी में)	क्षेत्र (हेक्टेयर में)	उत्पादन (एमटी में)
1	आंध्र प्रदेश	143203.23	14,311.15	242801.36	20145.27	253922.42	19,659.26
2	अरुणाचल प्रदेश	11037.66	46.91	13494.12	1.09	13016.64	81.55
3	असम	31093.67	23,113.70	22870.84	17839.16	22502.94	15,897.00
4	बिहार	33312.55	5.34	54502.54	12.59	55541.01	12.11
5	छत्तीसगढ	46437.80	13,602.63	132209.52	20630.65	127856.46	22,359.32
6	गोवा	22516.48	2,504.48	22712.32	3115.44	22749.88	2,662.15
7	गुजरात	97207.58	70,450.65	149866.41	117805.73	604248.50	258,674.03
8	हरियाणा	6555.75	3,842.30	5303.06	5439.00	3598.95	4,547.48
9	हिमाचल प्रदेश	17753.88	5,417.93	29554.00	6368.45	28860.55	3,486.48
10	जम्मू एवं कश्मीर	30835.95	28,006.55	31179.82	41043.93	31235.58	38,640.64
11	कर्नाटक	101965.23	1,18,823.00	115950.08	355718.73	117088.88	150,653.05
12	केरल	54160.49	29,882.55	141450.38	27850.11	140056.54	31,965.48
13	लक्षद्वीप	3595.51	5.78	3595.51	-	3595.51	-
14	मध्य प्रदेश	969456.40	9,80,605.68	1195577.98	1392095.93	1680510.14	1,410,894.49
15	महाराष्ट्र	307656.30	9,04,948.68	396882.62	775774.99	1165730.30	691,419.72
16	मणिपुर	13590.07	16	13324.92	27.74	15228.42	121.67
17	मेघालय	46282.40	1,868.29	39276.39	21753.32	28408.74	10,192.01
18	नागालैंड	14734.97	245.84	15270.38	3.5	14749.27	1,192.87
19	ओडिशा	108977.61	1,27,583.93	137494.81	131852.01	225222.29	183,604.02
20	पांडिचेरी	183.65	45.00	183.65	-	181.51	-
21	पंजाब	14021.95	641.32	7021.50	264.63	14564.60	443.35
22	राजस्थान	410578.50	1,69,223.58	421686.29	256386.15	611904.77	346,961.32
23	सिक्किम	78717.65	727.806	78729.66	447.27	78475.28	20.17
24	तमिलनाडु	32245.73	17,821.17	39869.06	24068.86	60545.73	31,464.86
25	तेलंगाना	22542.28	2,294.26	20665.56	2509.68	53000.47	3,871.64
26	त्रिपुरा	4539.18	353.07	7521.31	348.53	13081.63	339.83
27	उत्तर प्रदेश	103748.17	1,38,358.08	146022.61	183409.04	149526.65	131,812.92
28	उत्तराखंड	132587.02	35,816.76	215366.40	46645.41	230210.88	31,719.74
29	पश्चिम बंगाल	8792.05	18,557.09	8702.61	17434.79	9680.37	17,497.89
30	अंडमान एवं निकोबार	8844.00	-	1360.00	-	1360.00	-
31	झारखंड	31394.18	-	-	-	-	-
32	लद्दाख	64.22	-	10817.85	-	10817.85	-
33	मिजोरम	10709.89	-	13718.89	-	19718.89	-
34	नई दिल्ली	10000.72	-	10005.17	-	10012.95	-
35	दमन एवं दीव	1100.00	-	1100.00	-	1100.00	-
36	दादर नगर	10000.00	-	10000.00	-	10000.00	-
37	चंडीगढ़	1300.00	-	1300.00	-	1300.00	-
	कुल	2941678.50	27,09,119.52	3808771.48	3468991.98	5912414.74	3,410,195.02

स्रोत: अपेडा एवं पीकेवीवाई

******